


फर्द अहकाम

न्यायालय उपखण्ड अधिकाारी जमशारमगढ़ (जयपुर)
वैशाख बनाम रामेश्वर प्रसाद
 मुकदमा संख्या / वर्ष : 65 / 2022

क्र.सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	4/4/22	<p>यह वाद वादीगण की ओर से एक श्री राजेश कुमार पारीक ने कन्वैनेट द्वारा 100 R.T. Act के तहत जेअ फिपा वाद दर्ज रजिस्ट्रार को ताम्बी प्रतिवादी बणों लायी हेकर 28/04/2022 को पेश हो।</p> <p>28/4/22 आज्ञा देव हुए है कि वाद प्रानागत हो है। अदालत के पी वरि। पूर्णतया पलक 23/05/22 को ल है।</p>	
	01/6/22	<p>पत्रावली आज प्रशासन बांधे को संग अभियान 2021 के बाहली में पेश हुई। उक्त वरि में सति नहीं हुई। पत्रावली पूर्णतया विभांक 28/01/22 को पेश हो।</p> <p>शिवर प्रसादी उपखण्ड अधिकाारी जमशारमगढ़ (जयपुर)</p>	
	25/8/22	<p>पत्रावली पेश डई। वादी वकील अणु-1 प्रतिवादीगण अणु-2 प्रतिवादीगणों को बाह बाह लावाज लगवाडी गई। प्रतिवादीगण फिल भी अडपल्लिह। वादी वकील को पुन गण्ड। पत्रावली वाक्ते माइर डिनांड 29/8/22 को पेश हो।</p> <p>उपखण्ड अधिकाारी जमशारमगढ़</p>	

२७/४/२२

पत्रावली वाता आदेश पर हुई। वकील वाडीगण रूप में प्रतिवादीगणों को आज्ञा अन्तर्गत एक-एक आवेदन लगाई गई। कोई अपात्नित नहीं। अतः प्रतिवादी गणों के लगाए गए अपात्नित होने के कारण इनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही आपल में जारी है। वकील वाडीगण की वकालत एक तरफा जारी है। वकील वाडीगण की वकालत करने व पत्रावली का आपलैकन करने पर दावा वाडीगण स्वीकार किया जाता है तथा प्रतिवादीगणों को जारी स्थाई निर्बंधन से पावन्त किया जाता है। विलुप्त निर्बंधन व डिफ़ी पन्थी लिखित पावन्त शामिल मिलल किया गया। पत्रावली केवल शुभारंभ होकर नम्बर में कम हो तथा बाद प्रति दाखिल फल है।


 सपक्ष अधिकारी
 रामवारासिंह